मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDE–142

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य)/

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (ऑनर्स) हिन्दी

(बी. ए. जी./बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एच.डो.ई.–142 : राष्ट्रीय काव्यधारा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $3 \times 12 = 36$

(क) यह पुण्य भूमि प्रसिद्ध है, इसके निवासी आर्य हैं,
विद्या, कला–कौशल्य सबके, जो प्रथम आचार्य हैं।
संतान उनकी आज यद्यपि, हम अधोगति में पड़े,
पर चिह्न उनकी उच्चता के, आज भी कुछ हैं खड़े।

(ख) काली तू, रजनी भी काली,
शासन की करनी भी काली
काली लहर कल्पना काली,
मेरी काल कोठरी काली,
टोपी काली कमली काली,
मेरी लौह–शृंखला काली,
पहरे की हुंकृति की व्याली,
तिस पर है गाली, ऐ आली !

(ग) रानी गई सिधार चिता अब उसकी दिव्य सवारी थी,

मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी,

अभी उम्र कुल तेइस की थी, मनुज नहीं अवतारी थी,

हमको जीवित करने आई बन स्वतंत्रता–नारी थी।

(घ) सदियों के आदर्श तुम्हारे

मूर्त रूप धर आए हैं

नव समाज के नवल सृजन का

नया संदेशा लाये हैं

दिशि–दिशि में समता–स्थापन के

ये अभिनव स्वर छाये हैं

महाक्रांति के नव विधान हित

तुम करने बलिदान उठो।

(ड़) सच है, विपत्ति जब आती है,

कायर को ही दहलाती है,

सूरमा नहीं विचलित होते,

क्षण एक नहीं धीरज खोते,

विघ्नों को गले लगाते हैं,

काँटों में राह बनाते हैं।

2. आधुनिक युग की विभिन्न परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। 16

3. राष्ट्रीय आन्दोलन के विभिन्न चरणों की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 16

4. आधुनिक भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त राष्ट्रीयता के स्वरूप को रेखांकित कीजिए। 16

5. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में अन्तर्निहित इतिहास-बोध पर प्रकाश डालिए। 16

6. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य के भावपक्ष का विवेचन कीजिए। 16

7. सुभद्रा कुमारी चौहान के युग–परिवेश को रेखांकित कीजिए। 16

8. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के काव्य में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

9. रामधारी सिंह 'दिनकर' के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए। 16

× × × × ×